

(आ) निम्नाङ्कित में से किसी एक पर संस्कृत में निबन्ध लिखिये :

40

Write an essay in *Sanskrit* on any one of the following :

- (i) सञ्चारक्षेत्रे भारतस्य उपलब्धिः।
- (ii) गीता सुगीता कर्तव्या किमन्यैः शास्त्रविस्तरैः।
- (iii) संस्कृतस्य संरक्षणोपायाः।
- (iv) परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम्।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर (प्रत्येक पर लगभग 200 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

4×15=60

Write short notes on any *four* of the following (in 200 words each) :

(A) निम्न वाक्यों के कर्तृवाच्य को कर्मवाच्य में बदलिये :

Convert कर्तृवाच्य into कर्मवाच्य of these sentences :

- (i) सायंकाले रामः वनम् गच्छति।
- (ii) गायकाः लोकगीतं गायन्ति।
- (iii) शासकाः दुष्टेभ्यो दण्डः सज्जनेभ्यश्च संरक्षणं ददति।
- (iv) अहम् प्रतिदिनं योगाभ्यासं करोमि।
- (v) ये अभीष्ट फलाकाँक्षिणः सन्ति ते कठोरपरिश्रमं कुर्वन्ति।

- (B) राजा दुष्यन्त द्वारा शकुन्तला को अस्वीकार करने पर शकुन्तला व उसके परिजनों के आक्रोश की समीक्षा कीजिए।

Analyse the anger of Shakuntala and her family after non-acceptance of Shakuntalā by King Dushyant.

- (C) शुकनासोपदेश के महत्व पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिये।

Write a short essay on the importance of 'शुकनासोपदेश'।

- (D) उदयन की उदारता और सज्जनता की सप्रमाण समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

Present the analysis of the generosity and nobility of Udayan with text evidence.

- (E) स्वप्नवासवदत्तम् की नाटकीय विशेषताएँ लिखिये।

Write the dramatic characteristics of स्वप्नवासवदत्तम्।

- (F) शकुन्तला का नैसर्गिक सौन्दर्य वर्णित कीजिए।

Describe the natural beauty of शकुन्तला।

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखे ।

Candidate should write his/her Roll No. here.

कुल प्रश्नों की संख्या : 5

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

Total No. of Questions : 5

No. of Printed Pages : 12

**M2622010**

संस्कृत साहित्य

**SANSKRIT LITERATURE**

द्वितीय प्रश्न-पत्र

**Second Paper**

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 300

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 300

**परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :**

**Instructions to the candidates :**

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल पाँच प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रश्न क्र. 2 से 5 तक में आंतरिक विकल्प हैं।

This question paper consists of *five* questions. *All* the questions have to be answered. Question Nos. 2 to 5 have an internal choice.

2. प्रश्न-पत्र के कुल अंक 300 हैं तथा निर्धारित समय 3 घंटे है । यदि अन्यथा नहीं दर्शाया गया है, तो सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका चयन आपने अपने आवेदन-पत्र में किया है । किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा । सभी पाँच प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें, एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें ।

The total number of marks of the question paper is 300 and the time allotted is 3 hours. *All* questions carry equal marks, unless specifically stated otherwise. Answers should be written in the medium which you have chosen

in your Application Form. No marks will be awarded, if the answer is written in any other medium. All the *five* questions must be answered. Questions should be answered exactly in order in which they appear in the question paper. Answers to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answers of other questions should be inserted between them.

3. प्रथम प्रश्न लघु उत्तरीय होगा जिसमें 20 अनिवार्य प्रश्न होंगे। प्रत्येक का उत्तर एक अथवा दो पंक्तियों में देना होगा ।

The first question will be of short answer type consisting of 20 compulsory questions. Each one is to be answered in *one* or *two* lines.

4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करें ।

Wherever word limit has been given, it must be adhered to.

5. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतर में से अंग्रेजी रूपांतर मानक माना जायेगा ।

In case there is any error of printing or factual nature, then out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में दीजिए :

20×3=60

Answer the following questions in *one* or *two* lines each :

(A) 'किरातार्जुनीयम्' के रचयिता कौन हैं और इसमें कितने सर्ग हैं ?

Who is the author of 'किरातार्जुनीयम्' and how many सर्गs are there in it ?

(B) 'गुप्तचर' की कोई तीन विशेषताएँ लिखिये।

Write any *three* characteristics of 'गुप्तचर'.

(C) 'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः' का अर्थ समझाइये।

Explain the meaning of 'वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः'.

(D) 'रामायण' की रचना किसने की और उसमें कितने काण्ड हैं ?

Who wrote the 'रामायण' and how many काण्डs are there ?

(E) 'नलोपाख्यानम्' में किसकी मूलकथा वर्णित है ?

Whose basic story has been mentioned in 'नलोपाख्यानम्' ?

(F) 'ऋतुसंहार' में किसका वर्णन है ? नामोल्लेख कीजिये।

What is described in 'ऋतुसंहार' ? Write their names.

(G) 'कुमारसंभवम्' शब्द का आशय समझाइये।

Explain the meaning of 'कुमारसंभवम्' ?

(H) 'श्रीमद्भागवत' के किस स्कंध में भूगोल का वर्णन है ?

In which स्कंध of श्रीमद्भागवत is mentioned 'Geography' ?

- (I) 'महाकवि कालिदास' के नाटकों के नाम लिखिए।

Write the names of the Dramas of महाकवि कालिदास.

- (J) 'महाकवि भवभूति' के नाटकों के नाम लिखिए।

Write the names of the Dramas of 'महाकवि भवभूति'.

- (K) 'महाभारत' किसकी रचना है एवं उसमें कितने श्लोक हैं ?

Who wrote the 'महाभारत' and how many श्लोकs are there ?

- (L) निम्नांकित श्लोक की पूर्ति कीजिए :

Complete the following श्लोक :

उपमा कालिदासस्य.....।

.....॥

- (M) स्वभावोक्ति अलंकार का लक्षण लिखिए ।

Write the definition of स्वभावोक्ति अलंकार.

- (N) निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

Correct the following sentences :

(i) श्रीगणेशं नमः।

(ii) गोभिः पयः दोग्धिः।

(iii) पुत्रस्य सह पितागतः।

- (O) सन्धियों के कितने भेद होते हैं ? उनके नाम लिखिए।

Write the names of types of सन्धिस.

(P) 'शतकत्रय' के नाम लिखिये।

Write the names of 'शतकत्रय'.

(Q) निम्नलिखित का मिलान कीजिये :

Match the following :

- |                    |                |
|--------------------|----------------|
| (i) बाणभट्ट        | (a) दण्डी      |
| (ii) दशकुमारचरितम् | (b) जयदेव      |
| (iii) गीतगोविन्दम् | (c) हर्षचरितम् |

(R) 'रघुवंशम्' का प्रथम श्लोक लिखिए।

Write the first श्लोक of 'रघुवंशम्'.

(S) निम्नांकित सूक्ति की पूर्ति कीजिए :

**Complete the following सूक्ति :**

यदिहास्ति.....।

(T) 'तव्यत्' और 'अनीयर्' प्रत्ययों के दो-दो उदाहरण लिखिए।

Give the *two* examples each of 'तव्यत्' and 'अनीयर्' प्रत्यय ?

2. निम्नलिखित की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

3×20=60

Explain with reference to the context of the following :

(i) कृतारिषड्वर्गजयेन मानवीमगम्यरूपां पदवीं प्रपित्सुना।

विभज्यनक्तं दिवमस्ततन्द्रिणा वितन्यते तेन नयेन पौरुषम्॥

अथवा

(Or)

श्रुत्वा तु पार्थिवाः सर्वे दमयन्त्याः स्वयंवरम्।

अभिजग्मुस्ततो भीमं राजानो भीमशासनात् ॥

हस्त्यश्वरथघोषेण पूरयन्तो वसुन्धराम्।

विचित्रमाल्याभरणैर्बलैर्दृश्यैः स्वलंकृतैः ॥

(ii) वसूनि वाञ्छन्नवशी न मन्युना

स्वधर्म इत्येव निवृत्तकारणः।

गुरूपदिष्टेन रिपौ सुतेऽपि वा

निहन्ति दण्डेन स धर्मविप्लवम् ॥

अथवा

(Or)

स्फुटता न पदैरपाकृता

न च न स्वीकृतमर्थगौरवम्।

रचिता पृथगर्थता गिरां

न च सामर्थ्यमपोहितं क्वचित् ॥

(iii) ददर्श तत्र वैदर्भी सखीगणसमावृताम्।  
 देदीप्यमानां वपुषा श्रिया च वरवर्णिनीम् ॥  
 अतीव सुकुमाराङ्गीं तनुमध्यां सुलोचनाम्  
 आक्षिपन्तीमिव प्रभां शशिना स्वेन तेजसा ॥

अथवा

(Or)

वैषम्यमपि सम्प्राप्ता गोपायन्ति कुलस्त्रियः।  
 आत्मानमात्मना सत्योजितः स्वर्गो न संशयः ॥  
 रहिता भर्तृभिश्चैव न कुप्यन्ति कदाचन।  
 प्राणांश्चारित्रकवचान् धारयन्ति वरस्त्रियः ॥

3. 'किन्नरकुंभयम्' महाकाव्य का कथा-सार एवं शैली लिखिए।

60

Write the summary and style of 'किन्नरकुंभयम्' महाकाव्य.

अथवा

(Or)

'नलोपाख्यानम्' की संक्षिप्त कथा एवं साहित्यिक वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिये।

Present the short story and literary Vaishishtya of 'नलोपाख्यानम्'.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक 200 शब्दों में) :

4×15=60

Write short notes on any *four* of the following (in **200** words each) :

- (i) नैषधं विद्वदौषधम्।
- (ii) रम्या रामायणी कथा।
- (iii) बाणोच्छिष्टं जगत् सर्वम्।
- (iv) कारुण्यं भवभूतिरेव तनुते।
- (v) 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' का नाट्यशास्त्रीय महत्त्व।

The classical importance of 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्'.

- (vi) 'राजतरंगिणी' का ऐतिहासिक महत्त्व।

The historic importance of 'राजतरंगिणी'.

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का सन्धि-विच्छेद कीजिए :

5×2=10

Do सन्धि-विच्छेद of any *five* of the following :

- (i) चन्द्रोदयः
- (ii) रमेशः
- (iii) प्रत्युपकारः

- (iv) गिरीशः  
 (v) नायकः  
 (vi) वृक्षेऽपि  
 (vii) सन्मित्रम्  
 (viii) रामो हसति  
 (ix) कवेर्जयति  
 (x) उज्ज्वलः

(आ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का विग्रह करके समास का नाम-निर्देश कीजिए :

5×2=10

Mention the names of compounds in any *five* showing their disjoinings

(विग्रह) :

- (i) राजपुत्रः  
 (ii) ज्ञाननिपुणः  
 (iii) नीलोत्पलम्  
 (iv) अनुत्तीर्णः  
 (v) त्रिलोकम्

(vi) चक्रपाणिः

(vii) महर्षिः

(viii) उपकृष्णम्

(ix) प्रतिपलम्

(x) गोहितम्

(इ) किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिए :

5×2=10

*Correct any five sentences :*

(i) उद्यानाय परितः ग्राममस्ति।

(ii) वृक्षेण पत्राणि पतन्ति।

(iii) रामं दशरथस्य पुत्रम् आसीत्।

(iv) ज्ञानस्य विना जीवनं विफलम्।

(v) हिमालयेन गंगा प्रभवति।

(vi) उपदेशो हि मूर्खाणां प्रकोपस्य न शान्तये।

(vii) परोपकारः पुण्यस्य पापाय परपीडनम्।

(viii) सूर्यस्य उदिते कमलं प्रकाशते।

(ix) कविषु कालिदासेन श्रेष्ठः।

(x) विद्या विनयाय शोभते।

(ई) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच की प्रकृति एवं प्रत्यय का निर्देश कीजिए :  $5 \times 2 = 10$

Point out the प्रकृति and प्रत्यय of any *five* of the following :

(i) पठितुम्

(ii) लेखकः

(iii) दृष्टव्यम्

(iv) गमनीयम्

(v) पीतम्

(vi) भोजनम्

(vii) कुर्वन्

(viii) नयत्

(ix) वर्तमानः

(x) लिखितवत्।

(उ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच की प्रकृति और प्रत्यय का निर्देश कीजिए :  $5 \times 2 = 10$

Point out the प्रकृति and प्रत्यय of any *five* of the following :

(i) धनवान्

(ii) श्रीमान्

- (iii) महिमा
- (iv) वासुदेवः
- (v) प्राज्ञः
- (vi) ब्राह्मण्यम्
- (vii) वैदुष्यम्
- (viii) दाशरथिः
- (ix) मनुष्यत्व
- (x) राघवः

(ऊ) किन्हीं दो अलंकारों को सोदाहरण परिभाषित कीजिए :

2×5=10

Define any *two* अलंकारs with examples :

- (i) उपमा
- (ii) अर्थान्तरन्यास
- (iii) दृष्टान्त
- (iv) अपहृति
- (v) यमक

अनुक्रमांक / Roll No.

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक यहाँ लिखें

Candidate should write his/her Roll No. here

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

No. of Printed Pages : 12

कुल प्रश्नों की संख्या : 5

Total No. of Questions : 5

**M2612010**

संस्कृत साहित्य

**SANSKRIT LITERATURE**

प्रथम प्रश्न-पत्र

**First Paper**

समय : 3 घंटे]

[पूर्णांक : 300

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 300

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

*Instructions to the candidates :*

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल पाँच प्रश्न हैं । सभी प्रश्नों के उत्तर देने हैं । प्रश्न क्र. 2 से 5 तक में आंतरिक विकल्प हैं ।

This question paper consists of *five* questions. *All* the questions have to be answered. Question Nos. **2** to **5** have an internal choice.

2. प्रश्न-पत्र के कुल अंक 300 हैं तथा निर्धारित समय 3 घंटे है । यदि अन्यथा नहीं दर्शाया गया है, तो सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका चयन आपने अपने आवेदन-पत्र में किया है । किसी अन्य माध्यम में लिखे गये उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेगा । सभी **पाँच** प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रश्न-पत्र के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार दें, एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जायें तथा उनके बीच अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जायें ।

The total number of marks of the question paper is **300** and the time allotted is **3** hours. *All* questions carry equal marks, unless specifically stated otherwise. Answers should be written in the medium which you have chosen in your Application Form. No marks will be awarded, if the answer is written in any other medium. All the five questions must be answered. Questions should be answered exactly in order in which they appear in the question paper. Answers to the various parts of the same question should be written together compulsorily and no answers of other questions should be inserted between them.

3. प्रथम प्रश्न लघु उत्तरीय होगा जिसमें 20 अनिवार्य प्रश्न होंगे । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक अथवा दो पंक्तियों में देना होगा ।

The first question will be of short answer type consisting of **20** compulsory questions. Each one is to be answered in *one* or *two* lines.

4. जहाँ शब्द सीमा दी गई है उसका अवश्य पालन करें

Wherever word limit has been given, it must be adhered to.

5. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपांतर में से अंग्रेजी वर्ज़न मानक माना जायेगा ।

In case there is any error of printing or factual nature, then out of the Hindi and English versions of the question, the English version will be treated as standard.

1. प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में देना है : 20×3=60

Each short answer question is to be answered in *one or two* lines :

- (A) वह कौनसा अन्धकार है जिसे न सूर्य मिटा सकता है, न रत्नों का प्रकाश दूर कर सकता है और न दीपक का प्रकाश मिटा सकता है।

**Which is that Darkness that cannot be destroyed by Sun, by the light of jewels and by the light of lamps.**

- (B) राजगृह का निवासी ब्रह्मचारी श्रुति पढ़ने के लिए वत्सभूमि में आकर वहाँ किस गाँव में रहने लगा था ?

**'Brahmachari', the resident of 'Rajgrah', after coming 'Vatsbhumi' started to live in which village to study 'shruti' ?**

- (C) 'अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात् सङ्गतं रहः' का आशय संक्षेप में समझाइये।

**Explain in brief 'अतः परीक्ष्य कर्तव्यं विशेषात् सङ्गतं रहः'।**

- (D) कौतुकमालिका गूँथने के लिए चेटी और वासवदत्ता के द्वारा कौनसी दो वनस्पतियों (औषधियों) का प्रयोग किया गया ?

**Which *two* medicinal flowers were used to prepare Kautukmala by Cheti and Vāsavadutta ?**

- (E) लक्ष्मी ने अत्यन्त निष्ठुरता, एकान्तवक्रता और मोहनशक्ति किन-किनसे प्राप्त की ?

**Laxmi achieved there three characterestics heartlessness, solitude curved and power of enchantment from which sources ?**

(F) शुकनास द्वारा बतायी गई 'महती अनर्थ परम्परा' में कौनसे चार लक्षण पाये जाते हैं ?

Which *four* symbols are found in the great chain of misfortunes told by Shukanās ?

(G) वसन्तक जब उदयन से बार-बार आग्रहपूर्वक पूछता है कि आपकी प्रिया कौन है, कल की श्रीमती वासवदत्ता या आज की पद्मावती ? उत्तर में उदयन ने जो कहा वह पद्य लिखिये अथवा उसका अर्थ लिखिये।

When 'Vasantak' asks Udayan repeatedly that who is your beloved-yesterday's 'Vasavdatta' or today's 'Padmawati' ? Write the verse said by Uadyan in reply or its meaning.

(H) 'काम' से उत्पन्न ताप और 'ग्रीष्म' से उत्पन्न ताप में क्या अन्तर है ? कालिदास का मत लिखिये।

What is the difference between the fever generated by 'काम' and 'ग्रीष्म' ? Write the Kalidasa's opinion.

(I) "नापेक्षितो गुरुजनोऽनया त्वया पृष्टो न बन्धुजनः।

एकैकस्य च चरिते भणामि किमेकैकम्॥"

शाकुन्तलम् का उपर्युक्त वाक्य किस पात्र के द्वारा किसको सम्बोधित है ? इस श्लोक के छन्द का नाम बताइये।

To whom this sentence of Shakuntalam is addressed and by whom ? Name the Chhand of this verse.

- (J) 'स्वप्नवासवदत्तम्' में महाराज 'दर्शक' कञ्चुकी के द्वारा अमात्य रुमण्वान् के सेना साहित आगमन का सन्देश भेजते हैं। उस समय वे किस शत्रु का विनाश करने के लिए उदयन को प्रेरित करते हैं ? उसका नाम लिखिये।

In 'Swapanvasavdattam' king 'Darshaka' sends the message of the arrival of minister 'Rumnavan' with force by 'Kanchuki'. Write the name of the enemy against whom he instigates 'Udayan' to fight to win.

- (K) 'कौतुकमङ्गल' एवं 'कौतुकमाला' को एक-एक पंक्ति में परिभाषित कीजिए।

Define कौतुकमङ्गल and कौतुकमाला in *one* line each.

- (L) "छात्राणां छात्रेषु वा मैत्रः पटुः"—इस वाक्य में षष्ठी विभक्ति उचित है या सप्तमी या फिर दोनों ?

"छात्राणां छात्रेषु वा मैत्रः पटुः"—In this sentence Shashthi is correct or Saptami or both are correct ?

- (M) 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' कथन की संक्षेप में व्याख्या कीजिये।

Explain in brief 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः'।

- (N) 'मूर्च्छन्त्यमी विकाराः प्रायेणैश्वर्यमत्तेषु'—यह सूक्ति किसने, किससे, कहाँ कही ?

'मूर्च्छन्त्यमी विकाराः प्रायेणैश्वर्यमत्तेषु'—Who said this sukti, to whom and where ?

(O) इस वाक्य को शुद्ध कीजिए :

हिमालयेन गङ्गा प्रभवन्ति।

Correct this sentence :

हिमालयेन गङ्गा प्रभवन्ति।

(P) स्वप्नवासवदत्तम् के अन्तिम अंक में आये हुए राजा महासेन के दूत काञ्चुकीय का गोत्र, जिस महारानी का सन्देश लेकर धात्री आयी है उसका नाम और वासवदत्ता की धात्री का नाम बताइये।

In the last Act of 'Swapnavasavdattam' **two persons** come—Kanchuki and Dhatri of Vasavdatta. Dhatri has brought **the message** of Queen. Tell the Gotra of Kanchuki, name of Queen and the **name of Dhatri**.

(Q) 'कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रभवति' को कौन, किससे एवं किस प्रसंग में कहता है ?

'कोऽन्यो हुतवहाद् दग्धुं प्रभवति'—This sentence is addressed by whom, to whom and in which context ?

(R) उन तीन पात्रों के नाम लिखिये जो शकुन्तला के साथ उसके पतिगृह गये थे।

Write the names of *three* characters who went with the Shakuntala to her 'पतिगृह'.

(S) "अभिज्ञानशाकुन्तलम्" से कालिदास की उपमा के कोई तीन उदाहरण लिखिये।

Write the *three* examples of उपमा कालिदासस्य from Abhijnanashakuntalam.

(T) “अभितः परितः समया निकषा हा प्रति योगेऽपि”

इस नियम से किस विभक्ति का विधान होता है ?

Which विभक्ति is denoted by this rule ?

2. संक्षिप्त सन्दर्भ एवं प्रसंग सहित (अ) अथवा (आ) दो खण्डों में से किसी एक खण्ड की व्याख्या कीजिए : 20×3=60

**Explain any one of the two parts with reference and context either (अ) or (आ) :**

(अ) (i) पद्मावती नरपतेर्महिषी भवित्री

दृष्टा विपत्तिरथ यैः प्रथमं प्रदिष्टा।

तत्प्रत्ययात् कृतमिदं न हि सिद्धवाक्या-

न्युत्क्रम्य गच्छति विधिः सुपरीक्षितानि ॥

(ii) शुश्रूषस्व गुरून् कुरु प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने

भर्तुर्विप्रकृतापि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी

यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः ॥

(iii) सरस्वती परिगृहीतमीर्ष्ययेव नालिङ्गति, जनम्, गुणवन्तमपवित्रमिव न स्पृशति,

उदारसत्त्वममङ्गलमिव न बहु मन्यते, सुजनमनिमित्रमिव न पश्यति, अभिजातमहिमिव

लङ्घयति, शूरं कण्टकमिव परिहरति, दातारं दुःस्वप्नमिव न स्मरति, विनीतं पातकिनमिव

नोपसर्पति, मनस्विन्मुनमत्तमिवोपहसति।

20/11/2019

(आ) (i) शय्या नावनता तथास्तृतसमा न व्याकुलप्रच्छदा  
न क्लिष्टं हि शिरोपधानममलं शीर्षाभिघातौषधैः।  
रोगे दृष्टिविलोभनं जनयितुं शोभा न काचित् कृता  
प्राणी प्राप्य रुजा पुनर्न शयनं शीघ्रं स्वयं मुञ्चति ॥

(ii) ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुरनुपतति स्यन्दने दत्तदृष्टिः  
पश्चार्धेन प्रविष्टः शरणतनभयाद् भूयसा पूर्वकायम्।  
दर्भैरर्धावलीढैः श्रमीववृतमुखभ्रंशिभिः कीर्णवर्त्मा  
पश्योदग्रप्लुतत्वाद् वियति बहुतरं स्तोकमुर्व्या प्रयाति ॥

(iii) “मिथ्यामाहात्म्यगर्वनिर्भराश्च न प्रणमन्ति देवताभ्यः, न पूजयन्ति द्विजातीन्, न मानयन्ति मान्यान्, नार्चयन्त्यर्चनीयान् नाभिवादयन्त्यभिवादनार्हान्, नाभ्युत्तिष्ठन्ति गुरून्, अनर्थका-यासान्तरितविषयोपभोग सुखमित्युपहसन्ति विद्वज्जनम्, जरावैक्लव्यप्रलपितमिति पश्यन्ति वृद्धजनोपदेशम्, आत्मप्रजापरिभव इत्यसूयन्ति सचिवोपदेशाय, कुप्यन्ति हितवादिने।”

3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के आधार पर महाकवि कालिदास की रस-योजना की सोदाहरण व्याख्या कीजिये। 60

Explain with the examples the 'रस-योजना' of Mahakavi Kalidasa on the basis of Abhijnanashakuntalam.

अथवा

(Or)

स्वप्नवासवदत्तम् के प्रमुख पात्रों की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिये।

Write the characteristics of main characters of Swapnavasavdattam.

4. (अ) निम्नलिखित अनुच्छेद का संस्कृत में अनुवाद कीजिये :

20

Translate the following paragraphs into **Sanskrit** :

“प्रेम इस संसार का सबसे विचित्र भाव है। विचित्र का अर्थ अद्भुत नहीं। संस्कृत में चित्र का अर्थ है सुन्दर और जो विशेष रूप से सुन्दर है वह है विचित्र। इस प्रेम को कौन समझ सकता है ? यह अनजाना है। क्या प्रेमी प्रेम को परिभाषित कर सकता है ? शायद नहीं। साधु और तपस्वी भी प्रेम की परिभाषा नहीं जानते। भक्त अवश्य प्रेम को समझने का प्रयास करता है। इस संसार में कुछ लोग शरीर के सौष्ठव से प्रेम करते हैं। कुछ रूप के आकर्षण को प्रेम समझते हैं। वस्तुतः प्रेम आत्मा का माधुर्य और रस है जो दूसरी आत्माओं को अपनी ओर खींचता है। इसीलिए सर्वाधिक प्रेम परमात्मा में है, वही वस्तुतः प्रेम का सागर है।”

**Love is the most peculiar emotion of this world. Peculiar does not mean astonishing. In Sanskrit picture means beautiful and which is especially beautiful that is peculiar. Who can understand this love. It is yet unknown. Can a lover define this love ? Probably not. Saints and hermits too don't know the definition of love. A devotee surely makes efforts to understand this love. In this world some of the people love bodily beauty. Some of them confuse love with the attraction of beauty. Actually love is the nexus and sweetness of a soul that attracts other souls too. That is why the highest and the deepest love is in the God and He alone is the ocean of love.**

अथवा

(Or)

“भारतीय समाज की प्रगति और विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है भ्रष्टाचार। यह जोंक की तरह राष्ट्र की शक्ति को चूस लेता है। यह बहुत तेजी से अपने पाँव पसारता है। राजनीति के क्षेत्र में, चिकित्सा के पावन केन्द्रों में, विद्या के मन्दिरों, राष्ट्रीय सैन्य शक्ति के गलियारों में सर्वत्र इसकी विष बेल छा जाती है। भ्रष्टाचार जन-जन में इस प्रकार प्रवेश कर जाता है कि इसकी उपस्थिति को लोग समझ ही नहीं पाते। पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदयों में व्याप्त हो जाता है। धीरे-धीरे लोग इसे सामाजिक मान्यता या सामाजिक परिवर्तन समझकर स्वीकार करने लगते हैं। जिस देश में यह कर्कट वायरस एक बार घुस जाता है उसे कोई बचा नहीं सकता।”

“Corruption is the biggest hindrance in the way of progress and development of Indian Society. It sucks the whole energy of a Nation like a leech. It spreads like anything quickly. In the fields of politics, in the holy centres of medication, in the temples of learning and in the corridors of national military forces, almost all over the society its poisonous creeper spreads. It enters into each and every person, in the manner, that they do not even understand its presence. It desolves in the hearts of people from one generation to another generation. By and large they start to accept it as a social change or social recognition. None can save that country where this cancerous virus once start to live.”